# इच्छाशक्ति

देख झूमता पीपल को
हवा का झोंका कहता है
साथ इसके झूम झूमकर
ईश्वर से मिलना होता है

इठलाता देख फूलों को
लहर पवन की कहती है,
स्पर्श सुगन्ध का पाकर के
ह्रदय प्रफुल्लित होता है,

अठखेलियाँ बच्चों की देख
दिल मे उमंग भर जाती है
यादकर बचपन की यादें
नादानी मन मे आ जाती है

घड़घड़ाहट सुन बादल की
जल की आस बढ़ जाती है,
अच्छे इंसान की संगत से
जीवन को ऊर्जा मिलती है,

वाणी कर्म और संयम से
इंसान का चेहरा खिलता है,
जैसे किरणों की ऊष्मा से
जल भी अमृत बन जाता है,

ऊर्जा से अग्नि बनती है
अग्नि शुद्धि का साधन है,
अग्नि परीक्षा देने वाला ही
सच्ची राह दिखलाता है,

सेवा एक ऐसा भाव है
दुखों में दवा बन जाता है,
मानव की सेवा करने वाला
ईश्वर का भक्त कहलाता है,

पिता तुल्य शासक ही
प्रजा का नायक बनता है,
आतंकित कर डराने वांला
तानाशाह कहलाता है,

नन्हे पौधे को बाग का माली
जल से सींचकर रखता है,
समय आने पर वही पौधा ही
फलों का रस बरसाता है,

❖ गोपाल कृष्ण व्यास